खास-खबरें

महाविद्यालय राजगढ़ में कारगिल विजय दिवस का भव्य आयोजन

नईदुनिया प्रतिनिधि राजगढ़ । भारत के गौरवशाली इतिहास में 26 जुलाई का दिन स्वर्णिम अक्षरों में अंकित है। वर्ष 1999 में भारतीय सेना के वीर जवानों ने अदम्य साहस, पराक्रम एवं सर्वोच्च बलिदान का परिचय देते हुए कारगिल युद्ध में विजय प्राप्त कर राष्ट्र की अखंडता एवं संप्रभुता की रक्षा की थी। कारगिल विजय दिवस राष्ट्रभक्ति, कर्तव्यनिष्ठा, वीरता एवं बलिदान का प्रतीक है तथा नई पीढ़ी में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति जागरूकता और भारतीय सेना के अद्वितीय शौर्य के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने की प्रेरणा देता है। मध्य प्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजगढ़ में कारगिल विजय दिवस का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों सेवानिवृत्त इंडियन एयर फोर्स अधिकारी नवीन गुप्ता, सेवानिवृत्त सैनिक रामबाबू दांगी, सेवानिवृत्त सैनिक नरेन्द्र सिंह तंवर तथा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वी.बी. खरे द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। प्राचार्य डॉ. खरे ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया तथा अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कारगिल विजय दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला।

वार्ड 8 में विकास कार्यों की शुरुआत, भूमि पूजन के साथ निर्माण कार्य हुआ प्रारंभ

नईदुनिया प्रतिनिधि सारंगपुर। लंबे समय से लंबित विकास कार्यों को लेकर वार्ड क्रमांक 08 के रहवासियों को आखिरकार राहत मिल गई। नगर पालिका उपाध्यक्ष एवं वार्ड पार्षद भावना निलेश वर्मा के लगातार प्रयासों का परिणाम सोमवार को उस समय देखने को मिला, जब वार्ड में विधिवत भूमि पूजन के साथ सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ कराया गया। इस अवसर पर वार्डवासियों ने खुशी जताते हुए पार्षद वर्मा का आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि वार्ड क्रमांक 08 में स्वीकृत विकास कार्य लंबे समय से शुरू नहीं होने पर नगर पालिका उपाध्यक्ष भावना वर्मा ने भोपाल स्थित नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर 24 जुलाई को भोपाल से कार्यपालन यंत्री सहित अधिकारियों की टीम सारंगपुर पहुंची और वार्ड के लंबित विकास कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने नगर पालिका के सीएमओ एवं संबंधित ठेकेदार को दो दिनों के भीतर स्वीकृत निर्माण कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए थे। इसी आदेश के पालन में सोमवार को वार्ड क्रमांक 08 में वार्डवासियों की मौजूदगी में भूमि पूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। भूमि पूजन के दौरान क्षेत्र के रहवासियों ने कहा कि लंबे समय से वे इन विकास कार्यों की प्रतीक्षा कर रहे थे।

अब कार्य शुरू होने से क्षेत्र की सड़क एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं में सुधार होगा। वार्डवासियों ने कहा कि पार्षद भावना निलेश वर्मा के निरंतर प्रयासों और अधिकारियों के समक्ष प्रभावी पैरवी के कारण यह कार्य संभव हो सका। उन्होंने उम्मीद जताई कि निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा किया जाएगा।

मास्टर ट्रेनर का प्रशिक्षण संपन्न 1500 पौधों का वितरण

नईदुनिया प्रतिनिधि सारंगपुर। राज्य शिक्षा केंद्र, भोपाल के निर्देशानुसार मिशन अंकुर के अंतर्गत संचालित एफएलएन कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सारंगपुर में ब्लॉक स्तरीय मास्टर ट्रेनर (एफ एल एन) का एकदिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में बताया गया कि सारंगपुर की सभी प्राथमिक शालाओं में कक्षा 1 से 4 तक एफएलएन कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों की बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक दक्षता का नियमित आकलन किया जाता है। ट्रैकर शीट के माध्यम से बच्चों के सीखने के स्तर का मूल्यांकन कर उसका रिकॉर्ड विद्यालय में संधारित किया जाता है। शिक्षकों में इस प्रक्रिया की बेहतर समझ विकसित करने के उद्देश्य से जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनरों द्वारा प्रत्येक जन शिक्षा केंद्र से तीन-तीन रिसोर्स पर्सन को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। ये प्रशिक्षित रिसोर्स पर्सन अपने-अपने जन शिक्षा केंद्रों पर शिक्षकों को प्रशिक्षण देंगे, जिससे एफएलएन कार्यक्रम का प्रभावी संचालन सुनिश्चित हो सके। प्रशिक्षण एवं समीक्षा बैठक के दौरान विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) सुरेश बिरमाल तथा बीआरसी बी.एल. वर्मा ने उपस्थित शिक्षकों को आवश्यक मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर उत्कृष्ट विद्यालय की प्राचार्य पूजा विजयवर्गीय, प्राचार्य पी.सी. रौतिया, साक्षरता समन्वयक नरसिंह शर्मा, बीएससी जे.पी. शर्मा सहित सभी जन शिक्षक उपस्थित रहे।

आंगनवाड़ी के मासूमों के मुंह से भी छीना 5 माह का राशन, सोनखेड़ा पर खाद्य विभाग की चुप्पी!

तहसीलदार सोनू गुप्ता ने दिया जांच व कार्रवाई का आश्वासन

नईदुनिया प्रतिनिधि राजगढ़ । सोनखेड़ा के 522 गरीब परिवारों के लिए बंटने वाला राशन जो कि जून माह में राशन दुकान 3202053 पर पहुंच गया था और जिसका वितरण जुलाई में हर हाल में होना चाहिए था परंतु संचालक लोकेन्द्र सिंह उमठ द्वारा की गई लापरवाही का खामियाजा सोनखेड़ा के 522 परिवारों एवं आंगनवाड़ी के मासूमों ने झेलना पड़ा।

नईदुनिया के लगातार प्रयास के बाद जुलाई माह का आवंटन सोमवार 27 से बांटना शुरू किया जिसमें लगभग 100 परिवारों को राशन वांटने बांटने की बात कही जा रही है और ऑनलाइन रिकॉर्ड भी अपडेट किया परंतु हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। कई हितग्राहियों ने बताया कि उन्हें केवायसी करने के नाम पर बुलाया जा रहा है और थंब लगवाकर बिना राशन के लौटा दिया जा रहा है। हैरानी इस बात की है कि इतना सब कुछ हो रहा है और खाद्य विभाग के अधिकारियों के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है। सरकार की खाद्यान्न योजना को अधिकारी ही पलीता लगाने में लगे हुए है।

छापीहेड़ा तहसीलदार सोनू गुप्ता ने मामले पर जरूर संज्ञान लेते हुए इसकी तुरंत जांच व कार्रवाई का आश्वासन दिया है। परंतु खाद्य विभाग के जिला अधिकारी अजीत सिंह और खिलचीपुर जेएसओ स्वाती वायकर ने 522 परिवारों एवं आंगनवाड़ी के मासूम बच्चों को राशन वितरण न होने पर चुप्पी क्यों साध रखी थी यह भी जांच का विषय है।

पात्र हितग्राहियों से पूछा जाए तो राशन का बड़ा घोटाला हो सकता है उजागर

सोनखेड़ा की दुकान नं 3202053 के हितग्राहियों की वास्तविक जांच की जाए तो राशन वितरण में घोटाले का बड़ा मामला सामने आ सकता है,जिसमें अधिकतर हितग्राहियों को 3 महिने तक का राशन न मिलने के मामले सामने आएंगे। वहीं आंगनवाड़ी केंद्र पर पिछले 5 महिने से राशन न पहुंचना इस बात का प्रमाण है कि अधिकारी और दुकानदार के बीच सांठगांठ हो सकती है। इतना राशन कहां खपाया जाता है और जिम्मेदार अधिकारी को पता ही नहीं चलता।

27 जुलाई तक अधिकारियों ने संज्ञान क्यों नहीं लिया

सोनखेड़ा के राशन वितरण पर नईदुनिया ने लगातार समाचार प्रकाशित किए और जिम्मेदार अधिकारी स्वाति वायकर को एवं जिला खाद्य अधिकारी अजीत सिंह को फोन भी लगाए लेकिन हमेशा की भांति उन्होनें दूरी बनाकर अपने आप को बचाने के कीशिश की। अंततः गरीबों के राशन बांटने की कार्रवाई 27 जुलाई से शुरू हुई और दिखाने के लिए ऑनलाइन रिकॉर्ड भी अपडेट हो गया जिससे नया आवंटन भी जल्दी मिल जाएगा।

इनका कहना है-

मेरे संज्ञान में अभी आया है, मैं मामले की जांच करवा लेता हूं दोषी पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जावेगी।

सोनू गुप्ता, तहसीलदार छापीहेड़ा-जीरापुर

लोकायुक्त का ट्रैपः 12 हजार 600 की रिश्वत लेते सहकारी समिति सचिव गिरफ्तार

नईदुनिया प्रतिनिधि जीरापुर। शहर में भ्रष्टाचार के खिलाफ भोपाल लोकायुक्त की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सादलपुर खाद-बीज वितरण सहकारी समिति के सचिव (प्रबंधक) राधेश्याम दांगी को 12 हजार 600 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई जीरापुर स्थित विश्राम गृह में सुनियोजित ट्रैप के माध्यम से की गई, जिससे सहकारिता विभाग सहित प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया है।

खाता होल्ड हटाने और केसीसी लोन बढ़ाने के नाम पर मांग रहा था घूसः

लोकायुक्त पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई रूपाहेड़ा निवासी 52 वर्षीय किसान श्याम सिंह की शिकायत पर की गई। किसान का सोसायटी में खाता होल्ड कर दिया गया था, जिससे उसका लेन-देन पूरी तरह बंद हो गया था। आरोपी सचिव राधेश्याम दांगी ने खाता होल्ड हटाने तथा आगामी सीजन में खाद-बीज के लिए किसान क्रेडिट कार्ड की लोन राशि बढ़ाने के एवज में रिश्वत की मांग की। बताया गया है कि आरोपी ने किसान के परिवार के तीन सदस्यों से 4,200 प्रति सदस्य के हिसाब से कुल 12,600 की अवैध राशि मांगी थी। लगातार प्रताड़ना से परेशान किसान ने भोपाल लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक के समक्ष लिखित शिकायत दर्ज कराई। प्राथमिक जांच में मामला सही पाए जाने पर ट्रैप की योजना बनाई गई।

रेस्ट हाउस में बिछाया जाल, केमिकल टेस्ट में हुआ खुलासा

भोपाल से आई लोकायुक्त टीम ने एसडीओपी अजय मिश्रा के नेतृत्व में जीरापुर रेस्ट हाउस में सादे कपड़ों में घेराबंदी की। तय योजना के अनुसार शिकायतकर्ता किसान श्याम सिंह आरोपी को रिश्वत देने पहुंचा। जैसे ही किसान ने केमिकल लगे 12,600 आरोपी को दिए, लोकायुक्त टीम ने तुरंत उसे मौके पर ही पकड़ लिया।

अत्याचारों के खिलाफ आदिवासी समाज का आक्रोश हजारों की संख्या में कलेक्ट्रेट गेट पर घंटों प्रदर्शन

नईदुनिया प्रतिनिधि राजगढ़। आदिवासी समाज के साथ अत्याचार और अन्याय के खिलाफ सोमवार को राजगढ़ में भील-भिलाला समाज संगठन के नेतृत्व में जन आक्रोश आंदोलन किया गया राजगढ़ सहित आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग मंगल भवन में एकत्र हुए और रैली के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचे प्रदर्शनकारियों ने विभिन्न मामलों में निष्पक्ष जांच, दोषियों पर सख्त कार्रवाई और पीड़ित परिवारों को सुरक्षा देने की मांग की प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि जिले में आदिवासी परिवारों के साथ दबंगों और प्रभावशाली लोगों द्वारा मारपीट, जमीन पर कब्जा और अन्य तरीकों से परेशान किए जाने की घटनाएं सामने आ रही हैं। संगठन ने कई मांगो को लेकर प्रशासन से कार्रवाई की मांग की

जमीन पर कब्जे और मारपीट का आरोप - संगठन के पदाधिकारी ने बताया कि ग्राम पड़ोनिया में आदिवासी परिवार की जमीन पर जबरन कब्जा करने का प्रयास किया गया विरोध करने पर महिलाओं और बच्चों के साथ मारपीट किए जाने के आरोप लगाए गए शिकायत में घायलों को अस्पताल ले जाने और पुलिस कार्रवाई में निष्पक्ष कार्यवाही नहीं होने का आरोप लगाया है वहीं जीरापुर तहसील के ग्राम काशीखेड़ी में दबंगों ने आदिवासी परिवार के घर में घुसकर मारपीट, तोड़फोड़ और महिलाओं के साथ अभद्रता किए जाने का आरोप लगाया है नरसिंहगढ़ तहसील के ग्राम आखखेड़ी में आदिवासी परिवार के घर में घुसकर तलवार से प्राणघातक हमला किया गया है समाज के पदाधिकारियों का कहना है इन सभी मामलों में कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई है जिससे आदिवासी समाज में आक्रोश है।

एसडीएम को ज्ञापन देने से किया इनकार, कलेक्ट्रेट गेट पर बैठे प्रदर्शकारी - मंगल भवन से रैली के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचे प्रदर्शनकारियों से जब एसडीएम ज्ञापन लेने पहुंची तो उन्होंने एसडीएम को ज्ञापन देने से मना कर दिया प्रदर्शनकारी कलेक्टर को ही ज्ञापन सौंपने की मांग करते हुए कलेक्ट्रेट गेट के सामने धरने पर बैठ गए कई घंटों तक प्रदर्शनकारी अपनी मांग पर अड़े रहे । इसके बाद कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक स्वयं कलेक्ट्रेट गेट पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर ज्ञापन लेने का प्रयास किया हालांकि, प्रदर्शनकारी अपनी मांगों को लेकर तत्काल संतुष्ट नहीं हुए और कई देर तक प्रदर्शन जारी रखा।

80 प्रतिशत राशि जमा कराने के बाद भी दुकानों का निर्माण अधूरा, दुकानदारों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

नईदुनिया प्रतिनिधि सारंगपुर । ग्राम भैंसवा माताजी स्थित मां बिजासन मंदिर परिसर में निर्माणाधीन दुकानों का कार्य लंबे समय से अधूरा होने से नाराज स्थानीय दुकानदारों ने सोमवार को जनपद अध्यक्ष देवनारायण नागर के नेतृत्व में एसडीएम रोहित बम्होरे को ज्ञापन सौंपकर जल्द निर्माण कार्य पूर्ण कराने की मांग की। ज्ञापन में दुकानदारों ने बताया कि मंदिर परिसर में उनकी दुकानें पूर्व से संचालित थीं। मंदिर निर्माण के दौरान ट्रस्ट द्वारा पुरानी दुकानों के स्थान पर नई दुकानों के निर्माण का निर्णय लिया गया था।

इसके लिए दुकानदारों से निर्धारित राशि का 80 प्रतिशत तक जमा करा लिया गया तथा कुछ पुरानी दुकानों को भी तोड़ दिया गया। दुकानदारों का आरोप है कि वर्तमान में निर्माण कार्य बंद पड़ा हुआ है, जिससे मंदिर परिसर में अव्यवस्था का माहौल बना हुआ है। इसका असर मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं पर भी पड़ रहा है और दुकानदारों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि ट्रस्ट और दुकानदारों के बीच पूर्व में यह सहमति बनी थी कि निर्धारित समय-सीमा तक राशि जमा नहीं करने वाले दुकानदारों की सदस्यता समाप्त कर उनकी दुकानें सील की जा सकती हैं। अधिकांश दुकानदारों ने समय पर राशि जमा कर दी, लेकिन इसके बावजूद उन्हें अब तक नई दुकानों का कब्जा नहीं मिल सका। दुकानदारों ने प्रशासन से मांग की है कि निर्माण कार्य में आ रही बाधाओं को दूर कर जल्द से जल्द दुकानों का निर्माण पूरा कराया जाए तथा पात्र दुकानदारों को उनकी दुकानें आवंटित की जाएं।

सुबह सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे संचालक व वेयरहाउस मैनेजर

मंडलोई वेयरहाउस की खिड़की तोड़कर 9 हजार रुपए मूल्य के 3 क्विंटल गेहूं की चोरी, एफआईआर दर्ज

नईदुनिया प्रतिनिधि ब्यावरा । सुठालिया थाना क्षेत्र में चोरों ने एक शासकीय गेहूं गोदाम को निशाना बनाते हुए पीछे की दीवार और लोहे का जंगला तोड़कर करीब 3 क्विंटल गेहूं चोरी कर लिया। चोरी गए गेहूं की कीमत 9 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एफआईआर के अनुसार, फरियादी रामकैलाश पिता मांगीलाल मंडलोई (28) निवासी ब्यावरा रोड, वार्ड क्रमांक-2, सुठालिया ने पुलिस को बताया कि ग्राम खंदी के आगे ब्यावरा रोड पर उसका गोदाम है, जिसमें शासकीय गेहूं रखा हुआ था।

सोमवार सुबह करीब 9:50 बजे उसके मित्र सर्जन सोधिया ने फोन कर बताया कि गोदाम के पीछे गेहूं के कट्टे पड़े हैं।

सूचना मिलने पर वह मौके पर पहुंचा तो देखा कि गोदाम की पीछे की दीवार के नीचे लगे लोहे के जंगले को तोड़कर चोर अंदर घुसे थे।

वेयर हाउस मैनेजर दांगी ने किया मौके का निरीक्षण

घटना की सूचना तत्काल एमपीडब्ल्यूएलसी के ब्यावरा ब्रांच मैनेजर संजय दांगी को दी गई। श्री दांगी ने निरीक्षण के दौरान स्टॉक का मिलान किया स्टेक नंबर 4 में से 13 कट्टे गेंहू के कम मिले। इनमें से 7 कट्टे गोदाम के बाहर पड़े मिले, जबकि 6 कट्टे अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। जिस पर अधिकारी ने मामले की एफआईआर करवाने के निर्देश दिए। एफआईआर में बताया गया है कि चोरी हुए 6 कट्टों में करीब 3 क्विंटल गेहूं था, जिसकी अनुमानित कीमत 9 हजार रुपए है।

गोदाम में लगे सीसीटीवी कैमरे पिछले करीब आठ-दस दिनों से बंद होने के कारण चोरी की घटना कैद नहीं हो सकी। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच सहायक उप निरीक्षक अशोक कटारिया को सौंपी है। पुलिस आसपास के क्षेत्र में संदिग्धों की तलाश कर रही है।

रात के सन्नाटे में तीन संदिग्धों की दस्तक,सीसीटीवी फुटेज वायरल

नईदुनिया प्रतिनिधि सारंगपुर। नगर की गुरुद्वारा कॉलोनी पुलिस थाने के पीछे स्थित क्षेत्र में शनिवार देर रात्रि तीन संदिग्ध युवकों की गतिविधियां सीसीटीवी कैमरे में कैद होने के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया है। यह फुटेज बीकानेर मिष्ठान भंडार संचालक के मकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई, जिसमें तीनों युवक देर रात कॉलोनी में घूमते दिखाई दे रहे हैं। सभी ने अपने चेहरे रुमाल से ढक रखे थे, जिससे उनकी पहचान स्पष्ट नहीं हो सकी। सोमवार को उक्त सीसीटीवी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद नगर में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि रात के समय संदिग्धों का इस तरह बेखौफ घूमना सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। लोगों के बीच पुलिस की रात्रि गश्त को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं और कॉलोनी वासियों ने रात्रिकालीन पेट्रोलिंग बढ़ाने की मांग की है। इसी बीच नगर में यह भी जनचर्चा है कि इस बीच में किसी पुलिसकर्मी के घर में भी चोरी की घटना हुई थी, जिसकी शिकायत थाना सारंगपुर में दर्ज कराई गई है। हालांकि इस मामले में पुलिस की ओर से आधिकारिक रूप से दोनों घटनाओं के बीच किसी संबंध की पुष्टि नहीं की गई है। फिलहाल वायरल सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान और उनकी गतिविधियों को लेकर पुलिस जांच कर रही है। नागरिकों ने पुलिस प्रशासन से कॉलोनियों में नियमित गश्त बढ़ाने, संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखने तथा सुरक्षा व्यवस्था बढाने की मांग की है ।

स्कूल चलें हम | **करोड़ों की स्कूल बिल्डिंग और शिक्षा विभाग की कार्यशैली पर सवालियां निशान**

40 मासूमों को अक्षर ज्ञान ही नहीं ! विभाग बोला- करेंगे प्रयास

नईदुनिया प्रतिनिधि जीरापुर। आवास कॉलोनी में गाडोलिया लोहार समाज के बच्चे अक्षर ज्ञान जैसी शिक्षा तक से वंचित, सिस्टम पर उठे गंभीर सवाल देश में हर बच्चे को शिक्षा का अधिकार दिलाने के उद्देश्य से लागू किया गया। कानून भले ही कागजों में मजबूत दिखाई देता हो, लेकिन जीरापुर नगर में इसकी जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है।

यहां गरीबी और सिस्टम की अनदेखी के बीच 30 से 40 मासूम बच्चों का भविष्य अंधेरे में झूलता नजर आ रहा है। नगर के वार्ड क्रमांक 15 स्थित आवास कॉलोनी, जो शासकीय महाविद्यालय के ठीक सामने स्थित है, वहां रहने वाले गाडोलिया लोहार समाज के बच्चे आज भी शिक्षा की बुनियादी शुरुआत शिक्षा से भी वंचित हैं।

अविभावकों की अज्ञानता बनी बाधा

जानकारी के अनुसार इस बस्ती में रहने वाले परिवार पारंपरिक रूप से लोहे के औजार बनाने और मजदूरी पर निर्भर हैं। दिनभर की मेहनत और रोजी रोटी में उलझे रहने के कारण वह अज्ञानता वस त्वरित आय को ही सब कुछ मानते है उन्हें पढाई से आय का रास्ता पता नहीं होने के कारण और वह भी अपनी अज्ञानता वस बच्चों की पढाई में कोई उत्सुक नहीं रहते ।

पार्षद ने उठाई आवाज

अक्षर ज्ञान जैसे मामले को लेकर वार्ड क्रमांक 15 के पार्षद कमल झावा ने खुलकर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा — एक तरफ करोड़ों की लागत से बना स्कूल खाली नजर आता है, दूसरी तरफ गरीब बच्चों का भविष्य सड़कों पर भटक रहा है। पार्षद ने प्रशासन से मांग की है कि सांदीपनी स्कूल की बस को बस्ती तक भेजा जाए,सभी वंचित बच्चों को तत्काल प्रवेश दिया जाए,गरीब परिवारों के बच्चों को प्राथमिकता के आधार पर जोड़ा जाए

शहर में करोड़ों की लागत से बने स्कूल पर शिक्षा देने पर प्रश्नचिन्ह

सरकार द्वारा शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए जीरापुर में करोड़ों रुपए की लागत से आधुनिक सुविधाओं से लैस 'सांदीपनी सीएम राइज स्कूल' का निर्माण किया गया है। यह स्कूल स्मार्ट क्लास, बस सुविधा और बेहतर शिक्षा व्यवस्था के लिए जाना जाता है, लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि करोड़ों की बिल्डिंग बनने के बाद भी गरीब तबके के बच्चों को प्रवेश नहीं मिल पा रहा। एडमिशन की प्रक्रिया भी जटिल बताई जाती है जिससे अविभावक घवरा जाते है और वापस लौट जाते है। लिए बार-बार चक्कर लगाने के बावजूद जवाब मिलता है — सीट नहीं है।जबकि स्कूल की क्षमता और वास्तविक स्थिति पर सवाल खड़े हो रहे हैं। यह स्थिति सीधे-सीधे सरकार की मंशा और योजनाओं के क्रियान्वयन पर प्रश्न चिन्ह लगाती है।